M.A. Examination 2017
Semester-IV
Hindi
Course : XVI (Special Paper)
(तुलसीदास)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए – 2×8=16

(क) बोरति ग्यान बिराग करारे। बचन ससोक मिलत नद नारे।।
सोच उसास समीर तरंगा। धीरज तट तरुवर कर भंगा।।
बिषम बिषाद तोरावति धारा। भय भ्रम भँवर अबर्त अपारा।।
केवट बुध विद्या बड़ि नावा। सकहिं न खेइ ऐक नहिं आवा।।

(ख) केसव! कहि न जाइ का कहिए।
देखत तव रचना बिचित्र हरि समुझि मनहिं मन रहिए।।
सून्य भीति पर चित्र रंग नहिं तनु बिनु लिखा चितेरे।
धोये मिटइ न मरइ भीति दुख पाइय ऐहि तन हेरे।।
रबिकर नीर बसै अति दारून मकर रूप तेहि माहीं।
बदन हीन सो ग्रसै चराचर पान करन जे जाहीं।।

(ग) तिन्ह तें खर सूकर स्वान भले, जड़ताबस ते न कहैं कछु वै।
तुलसी जेहि राम सों नेह नही सो सही पसु पूँछ बिखानन द्वै।।
जननी कत भार मुई दस मास, भई किन बाँझ, गई किन च्वै?
जरि जाउ सो जीवन, जानकीनाथ! जियै जगमें तुम्हरो बिन ह्वै।।

(घ) पौढ़िये लालन, पालने हौं झुलावौं।
कर पद मुख चख कमल लसत लाख लोचन-भवँर झुलावौं।
बाल-बिनोद-मोद-मंजुलमनि किलकनि-खानि खुलावौं।
तेइ अनुराग ताग गुहबै कहँ मति मृगनयनि बुलावौं।।
तुलसी भनित भली भामिनी डर सो पहिराइ फुलावौं।
चारु चरित रघुबर तेरे तेहि मिलि गाइ चरन चित लावौं।।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए – 2×12=24

(क) 'अयोध्याकांड मानस का हृदय है'– इस कथन की सार्थकता पर विचार कीजिए।

(ख) 'विनयपत्रिका' का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

(ग) कवितावली' के काव्यसौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'गीतावली' की विषयवस्तु का विवेचन कीजिए।